Title: Need to protect the interests of farmers in the country -Laid.

डॉ0 सुशील कुमार इन्दौरा (सिरसा) : सभापति जी, भारत कृषि प्रधान देश है और यहां कृषि पर चर्चा केन्द्र के बिन्दु में रहना स्वाभाविक है। किसानों की माली हालत दिन प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है क्योंकि परम्परागत कृषि उद्योग में व्यापक सुधार कर किसान की माली हालत सुधारने की दिशा में कोई ठोस कदम का सदैव अभाव रहा है। व्यापार के भौगोलिकरण करने के समय कहा गया था कि इससे देश के किसान, मजदूर को अंतर्राट्रीय बाजार उत्पादों के लिए सुलभ हो जाने से आर्थिक लाभ होगा। किंतु, इसका लाभ आज चंद हाथों तक ही सिमट कर रह गया है। हरियाणा राज्य के कुछ क्षेत्रों में गुलाब की खेती की जा रही है। यहां का जल वायु गुलाब उत्पादन के लिए बेहतर है। यहां से 500 करोड़ रूपये का गुलाब निर्यात भी हो रहा है। किंतु, यह निर्यात कुछ बहुराट्रीय कम्पनियां ही कर रही हैं। इसका लाभ आम किसान को नहीं हो रहा है क्योंकि गुलाब की खेती के लिए प्रशिक्षण और वित्त पोाण आम किसान को नहीं मिल पा रहा है। अतः वह लाभ से वंचित ही रह रहा है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि वह किसानों को नयी कृषि उत्पादों के उत्पादन के लिए प्रशिक्षण व्यवस्था करे। साथ ही इन्हें उत्पादन के लिए आ वश्यकतानुसार ऋण की व्यवस्था करे ताकि किसान को नयी फसलों का लाभ मिल सके।